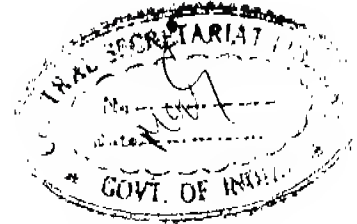




भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)



प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 113]

नई दिल्ली, बुध्दिवार, फरवरी 22, 1996/फाल्गुन 3, 1917

No. 113] NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 22, 1996/PHALGUNA 3, 1917

वित्त मंत्रालय

(प्राथमिक कार्य विभाग)

बीमा प्रभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1996

का. आ. 139 (अ):—केन्द्रीय सरकार, साधारण बीमा कारवार (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 (1972 का 57) की धारा 17क द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए साधारण बीमा (पर्यवेक्षीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द के वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) स्कीम, 1974 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

(क) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम साधारण बीमा (पर्यवेक्षीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द के वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) (संशोधन) स्कीम, 1996 है।

(2) इस स्कीम के उपबंधों में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, यह स्कीम 1 अगस्त, 1992 से प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

(3) इन स्कीमों में अंतर्विष्ट किसी बात से कोई कर्मचारी उस अतिकाल मजदूरी से अधिक का हकदार नहीं होगा जितनी की वह इन स्कीमों के प्रकाशन के पूर्व पाने का हकदार था।

2. साधारण बीमा (पर्यवेक्षीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द के वेतन और सेवा की अन्य शर्तों का व्यवस्थीकरण और पुनरीक्षणी) स्कीम, 1974 (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त स्कीम” कहा गया है) के पैरा 3 में, खण्ड (क) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

(कघ) “परिवर्तित निबंधनों” से छठी अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट परिवर्तित वेतनमान और भत्ते अभिप्रेत हैं।

(कङ) “परिवर्तित वेतनमानों” से छठी अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिवर्तित वेतनमान अभिप्रेत हैं।

3. उक्त स्कीम के पैरा 4 के उप-पैरा (7) के पश्चात् निम्नलिखित उप-पैरा अन्तः स्थापित किया जाएगा; अर्थात्:—

“(8) 1 अगस्त, 1992 से प्रत्येक कर्मचारी का वेतन और भत्ते, परिवर्तित निबंधनों के अनुसार होंगे। उस तारीख को सेवा में प्रत्येक कर्मचारी और उस तारीख के पश्चात् किन्तु साधारण बीमा (पर्यवेक्षीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द के वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) (संशोधन) स्कीम, 1996 (जिसे इसमें इसके पश्चात् पुनरीक्षण स्कीम, 1996 कहा गया है) के प्रकाशन की तारीख के पूर्व नियुक्त किए गए प्रत्येक कर्मचारी का मूल वेतनमान पैरा 6व के उपबंधों के अनुसार परिवर्तित वेतनमानों के अनुसार होगा।

(9) ऐसे प्रत्येक कर्मचारी को, जिसका मूल वेतन पैरा 6व के उपबंधों के अनुसार “परिवर्तित वेतनमानों” में नियत किया गया है, 1 अगस्त, 1992 को, और से या उसकी नियुक्ति की तारीख से या उस तारीख से जिससे उसने पुनरीक्षण स्कीम, 1996 के उपबंधों से शासित होने का विकल्प दिया है, जो भी पश्चात्पूर्ती हो, से आरम्भ होने वाली अवधि के लिए “परिवर्तित वेतनमान” में नियत किए जाने की तारीख से मूल वेतन, वैयक्तिक वेतन यदि कोई हो, महंगाई भत्ते और अन्य भत्ते भविष्य निधि में कर्मचारी के अनिवार्य अभिवाय की कटौती करने के पश्चात् उससे लागू होने वाली “परिवर्तित निबंधनों” और “संशोधित निबंधनों” के बीच अन्तर का संदाय किया जाएगा :

परन्तु—

- (i) किसी ऐसे कर्मचारी की दशा में जो 1 अगस्त, 1992 के पश्चात् सेवा से निवृत्त हो चुका है या त्यागपत्र दे चुका है, पुनरीक्षण स्कीम, 1996 से प्रोद्भूत उपदान की राशि में अन्तर, यदि कोई हो, सहित यथास्थिति उसकी सेवा-निवृत्ति या त्यागपत्र तक की अवधि के लिए उपपैरा (9) में यथा विनिर्दिष्ट राशि के अन्तर का संदाय किया जाएगा।
- (ii) ऐसे कर्मचारी की दशा में जिसकी 1 अगस्त, 1992 को या उसके पश्चात् सेवा में रहते हुए मृत्यु हो गई थी उसकी मृत्यु की अवधि तक के लिए उप-पैरा (9) में यथा विनिर्दिष्ट राशि में अन्तर का ऐसे व्यक्ति को जिसे उसकी भविष्य निधि का संदाय किया गया है या किया जाना है, संदाय किया जाएगा और पुनरीक्षण स्कीम, 1996 से प्रतिभूत उपदान राशि के अन्तर का, यदि

कोई है, ऐसे व्यक्ति को संदाय किया जाएगा जिसे उपदान राशि का संदाय किया गया था या किया जाना है :

परन्तु यह और कि ऐसे कर्मचारी जिन्हें 1 अगस्त, 1992 को या उसके पश्चात् पर्यवेक्षीय, लिपिकीय या अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द काडर से अधिकारी काडर में प्रोन्नत किया गया है या विकास अधिकारी के अन्तर्गत आते हैं, की बाबत उसकी प्रोन्नति या विकास अधिकारी के रूप में संपरिवर्तित किया गया है तो अधिकारी के रूप में उसकी प्रोन्नति या विकास अधिकारी के रूप में संपरिवर्तन की तारीख तक ऊपर विनिर्दिष्ट राशि के अन्तर (उपदान राशि के अन्तर को छोड़ कर) का संदाय परिवर्तित निबंधनों में उसके मूल वेतन के काल्पनिक नियतन के आधार पर किया जाएगा।

स्पष्टीकरण उप पैरा (9) के प्रयोजन के लिए “अन्य भत्ते” पद से कर्मचारी को अनुज्ञेय मकान किराया भत्ता, नगर प्रतिकरात्मक भत्ता, कृत्यकारी भत्ता, पर्वतीय स्थान भत्ता, नगर स्नातक भत्ता, तकनीकी ग्रहण भत्ता, वाहन भत्ता अभिप्रेत है।

4. उक्त स्कीम के पैरा 6व के पश्चात् निम्नलिखित पैरा अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“6व. वेतनमान और अन्य भत्तों का” नियतन:—

ऐसे प्रत्येक कर्मचारी जो 1 अगस्त, 1992 को सेवा में है और जो पुनरीक्षण स्कीम, 1996 के अधिसूचित किए जाने की तारीख को या उसके पश्चात् सेवा में बना हुआ है, की दशा में वेतनमान और अन्य भत्ते, किसी ऐसी तारीख से जो नीचे प्रत्येक मद के सामने उल्लिखित तारीख से पहले न हो या ऐसी तारीख से जिसको कर्मचारी की पुनरीक्षण स्कीम, 1996 के उपबंधों से शासित होने का विकल्प दिया है जो भी पश्चात्पूर्ती हो, से लागू होंगे।

1. वेतनमान	1. 8. 1992
2. महंगाई भत्ता	1. 8. 1992
3. मकान किराया भत्ता	1. 8. 1992
4. नगर प्रतिकरात्मक भत्ता	1. 8. 1993
5. भविष्य निधि/नियत वैयक्तिक भत्ता	1. 10. 1993
6. अन्य भत्ते जैसे:	
कृत्यकारी भत्ता	
स्नातक भत्ता	
पर्वतीय स्थान भत्ता	
अस्थायी समायोजन भत्ता	1. 8. 1994
7. वाहन भत्ता	1. 8. 1994

(2) प्रत्येक ऐसे कर्मचारी जिसे 1 अगस्त, 1992 किन्तु पुनरीक्षण स्कीम, 1996 के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पूर्व या उसके पश्चात् नियुक्त किया गया है और

जो पुनरीक्षण स्कीम, 1996 के अधिसूचित किए जाने की तारीख को या उसके पश्चात् सेवा में बना हुआ है की दशा में वेतनमान और अन्य भत्ते "परिवर्तित निबंधनों" के अनुसार या किसी ऐसी तारीख से जो ऊपर पैरा (1) में उल्लिखित प्रत्येक मद के सामने की तारीख से पूर्व या नियुक्ति की तारीख या जो भी पश्चात्पूर्वी हो से लागू होंगे।

(3) उप पैरा (1) और (2) में किसी बात के होते हुए भी कोई कर्मचारी उप पैरा (1) में उल्लिखित तारीख से प्रभावी परिवर्तित निबंधनों के अनुसार अपना वेतनमान और अन्य भत्ते या उसके पश्चात् किसी तारीख से किन्तु पुनरीक्षण स्कीम 1996 के प्रकाशन की तारीख से नियत किए जाने का चयन कर सकेगा। वह अपने इस चयन की सूचना लिखित में निगम या कम्पनी को ऐसी पुनरीक्षण स्कीम, 1996 के प्रकाशन की तारीख के 30 दिन के भीतर देगा।

परन्तु यह और कि ऐसी कर्मचारी को 1 अगस्त, 1992 से इस प्रकार चयनित तारीख तक की अवधि के लिए कोई बकाया संदेय नहीं होंगे।

परन्तु यह भी कि 1-8-1994 को या उसके पश्चात् यदि भविष्य निधि की कटौती के पश्चात् किसी कर्मचारी की कुल मासिक परिलब्धियां अर्थात् मूल वेतन, नियत वैयक्तिक भत्ता, महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, नगर प्रति-करात्मक भत्ता और वाहन भत्ता या किसी भी प्रकार का मासिक लाभ परिवर्तन पूर्व मासिक परिलब्धियों से कम होंगी तो उसके अन्तर का संदाय अस्थायी समायोजन भत्ते के रूप में किया जाएगा जिसे मूल वेतन, नियत वैयक्तिक भत्ता, महंगाई भत्ता या किसी अन्य भत्ते या किसी भी प्रकार के मासिक लाभ में किसी शुद्ध वृद्धि में तब तक समायोजित किया जाएगा जब तक यह पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता।

परन्तु यह भी कि 1-8-1992 से 31-7-1994 तक की बकाया राशि की संगणना करते समय यदि भविष्य निधि की कटौती के पश्चात् संशोधित कुल परिलब्धियों और भविष्य निधि की कटौती के पश्चात् परिवर्तित कुल मासिक परिलब्धियों के बीच का शुद्ध अन्तर नकारात्मक है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

5. उक्त स्कीम के पैरा 7 में उप पैरा (2) और उसके परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात् :—

“(2) ऐसे कर्मचारी की बाबत जिसका मूल वेतन परिवर्तित वेतन मान में 1 अगस्त, 1992 को या पुनरीक्षण स्कीम, 1996 के प्रकाशन की तारीख को, पैरा 6घ के अधीन अधिकतम पर नियत कर दिया जाता है और ऐसे कर्मचारी की बाबत जो उसके पश्चात् अपनी सेवा अवधि के दौरान किसी भी समय परिवर्तित वेतनमान के अधिकतम पर पहुंच जाएगा, यथास्थिति कंपनी का प्रबंध निदेशक या

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी, कर्मचारी के कार्य अभिलेख के समाधान प्रद पाए जाने के अधीन रहते हुए, निम्नलिखित विचार करेगा:—

(क) ऐसे प्रत्येक कर्मचारी को, अपने परिवर्तित वेतनमान के अधिकतम पर पहुंचने के पश्चात् निरन्तर सेवा के प्रत्येक दो वर्ष के लिए वेतनमान में ली गई अन्तिम वेतनवृद्धि की दर से यथा-स्थिति, सहायक, अभिलेख लिपिक, चालक या अन्य अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द को वेतनमान में एक वेतनवृद्धि प्रदान किए जाने पर चार से अधिक ऐसी वेतनवृद्धियां प्रदान नहीं की जाएंगी।

परन्तु यह कि कर्मचारी को चौथी वृद्धिरुद्ध वेतन-वृद्धि, यथास्थिति, सहायक, अभिलेख लिपिक, चालक या अन्य अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द के वेतनमान में, तीसरी वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि की प्राप्ति की तारीख से या 1-8-1994 से जो भी पश्चात्पूर्वी हो दो वर्ष पूरा कर लेने के पश्चात् प्रदान की जाएगी।

(ख) ज्येष्ठ सहायक या आशुलिपिक के वेतनमान में ऐसे कर्मचारी को जिसने परिवर्तित वेतनमान में अधिकतम पर पहुंचने की तारीख के पश्चात् परिवर्तित वेतनमान में निरन्तर सेवा के प्रत्येक तीन वर्ष के लिए एक वेतनवृद्धि प्रदान की जाएगी और इस उप पैरा के अधीन तीन से अधिक ऐसी वेतन वृद्धियां प्रदान नहीं की जाएंगी।

परन्तु यह कि कर्मचारी को वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि यथास्थिति, ज्येष्ठ सहायक या आशुलिपिक के वेतनमान में, दूसरी वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि की प्राप्ति की तारीख से तीन वर्ष के पूरा कर लेने के पश्चात् या 1-8-1994 से, जो भी पश्चात्पूर्वी हो प्रदान की जाएगी।

(ग) परिवर्तित वेतनमान में, अधीनस्थ के परिवर्तित वेतनमान में अधिकतम पर पहुंचने के तीन वर्ष पश्चात् या 1-8-94 से, जो भी पश्चात्पूर्वी हो, एक वेतनवृद्धि प्रदान की जाएगी।

स्पष्टीकरण : इस पैरा के प्रयोजन के लिए “निरन्तर सेवा” से असाधारण अवकाश को छोड़ कर ड्यूटी की अवधि अभिप्रेत हैं।

6. उक्त स्कीम के पैरा 11 में, अन्त में निम्नलिखित स्पष्टीकरण अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“स्पष्टीकरण” :—इस पैरा के प्रयोजन के लिए भविष्य निधि के लिए अनुमेय मूल वेतन धन वैयक्तिक वेतन और विशेष वेतन, (i) 1 अगस्त, 1992 में आरम्भ होने वाली और 31 अक्टूबर, 1993 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए “संशोधित निबंधनों” के प्रतिनिर्देश से संगणित किया जाएगा,

(ii) 1 नवम्बर, 1993 से आरम्भ होने वाली अवधि की संगणना "परिवर्तित निबंधनों" के प्रतिनिर्देश से की जाएगी।

7. उक्त स्कीम में, पाँचवीं अनुसूची के पश्चात् निम्नलिखित छठी अनुसूची अन्तःस्थापित की जाएगी अर्थात्—

“छठी अनुसूची”

[पैरा 3 (क घ और क ङ) देखिए]

1. परिवर्तित वेतनमान (मूल वेतन)

अ. —पर्यवेक्षीय और लिपिकीय कर्मचारिवृन्द :

(1) अधीक्षक (रन आफ काउंटर)

3725-215-3940-230-7160 रुपए

(2) ज्येष्ठ सहायक

2725-155-3345-190-3725-215-
3940-230-6700 रुपए

(3) आशुलिपिक

2725-155-3345-190-3725-215-
3940-230-6700 रुपए

(4) सहायक, टंकक, टेलीफोन प्रचालक, टेलेक्स प्रचालक, स्वायात कर्ता, पंचकार्ड प्रचालक, यूनिट अभिलेख मशीन प्रचालक, प्रतिलिपिकर्ता और अन्य समतुल्य पद :

1950-100-2050-120-2290-135-
2830-155-3760-200-3960-210-
4170-230-4860-410-5270-230-
5500 रुपए

(5) अभिलेख लिपिक

1830-70-1970-80-2370-100-2670-
110-3000-120-3600-130-3990
रुपए

आ. अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द

(1) चालक

1830-70-1970-80-3010-90-100-
3590 रुपए

(2) अन्य अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द

रु. 1600-50-1650-70-2490-80-2730-
90-2820-100-3020 रुपए

*निगम या कंपनी द्वारा अधीक्षक के पद पर कोई नई नियुक्ति नहीं की जाएगी।

(1) 1-8-1992 को सेवा में प्रत्येक कर्मचारी और ऐसे कर्मचारी का जो पुनरीक्षण स्कीम, 1996 के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने के पश्चात् सेवा में बना रहता है का मूल वेतन उसके परिवर्तित वेतनमान में 1 अगस्त, 1992 से या विकल्प देने की तारीख से, जो भी पश्चात्पूर्ति हो, तत्स्थानी प्रक्रम पर नियत किया जाएगा।

(2) 1 अगस्त, 1992 के पश्चात् नियुक्त किए गए प्रत्येक कर्मचारी का और जो इस पुनरीक्षण स्कीम, 1996 के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने के पश्चात् सेवा में बना रहता है, का मूल वेतन उसके परिवर्तित वेतनमान में उसकी नियुक्ति की तारीख से या विकल्प दिए जाने की तारीख से, जो भी पश्चात्पूर्ति हो, तत्स्थानी प्रक्रम पर नियत किया जाएगा।

(3) ऐसे प्रत्येक कर्मचारी का मूल वेतन जो 1 अगस्त, 1992 को या उसके पश्चात् सेवा में था और जो पुनरीक्षण स्कीम, 1996 के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को या उससे पूर्व सेवानिवृत्त हो गया था या उसने त्यागपत्र दे दिया था जिसकी मृत्यु हो गई थी, परिवर्तित वेतनमान में 1-8-1992 से, या उसकी नियुक्ति की तारीख से जो भी पश्चात्पूर्ति हो, तत्स्थानी प्रक्रम पर नियत किया जाएगा।

(अ) ऊपर पैरा (1), पैरा (2) या पैरा (3) में या पर्यवेक्षीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए प्रोन्नति नीति में किसी बात के होते हुए भी, सहायक के वेतनमान में 5270 रु.— या इससे अधिक प्रतिमास मूल वेतन पाने वाले किसी कर्मचारी को, ज्येष्ठ सहायक आशुलिपिक के पद पर 1 अगस्त, 1992 या उसके पश्चात् प्रोन्नत किया जाता है तो ऐसे कर्मचारी के मूल वेतन का नियतन नीचे सारणी में दर्शाए गए प्रोन्नत वेतनमान के अनुसार किया जाएगा :—

सारणी

सहायक वेतनमान के मूल वेतन	ज्येष्ठ सहायक आशु- लिपिक के वेतनमान में मूल वेतन
1	2
(i) 5270/—रु. प्रतिमास	5320/—रु. प्रतिमास
(ii) 5500/—रु. प्रतिमास	5550/—रु. प्रतिमास
(iii) जहां कर्मचारी द्वारा एकवर्ष से कम के लिए 5730रु. प्रतिमास लिया गया है।	5780/—रु. प्रतिमास
(iv) जहां कर्मचारी द्वारा एकवर्ष या उससे अधिक के लिए 5730/—रु. प्रतिमास लिया गया है।	6010 रु. प्रतिमास
(v) जहां कर्मचारी द्वारा एक वर्ष या उससे कम के लिए 5960/—रु. प्रतिमास लिया गया है।	6010रु. प्रतिमास
(vi) जहां कर्मचारी द्वारा एक वर्ष या उससे अधिक के लिए 5960/—रु. प्रतिमास लिया गया है	6240/—रु. प्रतिमास

1	2
(vii) जहां कर्मचारी द्वारा एक वर्ष या उससे कम के लिए 6190 रु. प्रतिमास लिया गया है।	6240 रु. प्रति मास
(viii) जहां कर्मचारी द्वारा एक वर्ष या उससे अधिक के लिए 6190 रु. प्रतिमास लिया गया है।	6470 रु. प्रति मास
(ix) जहां कर्मचारी द्वारा एक वर्ष या उससे कम के लिए 6240 रु. प्रतिमास लिया गया है।	6470 रु. प्रति मास
(x) जहां कर्मचारी द्वारा एक वर्ष या उससे अधिक के लिए 6420 रु. प्रतिमास लिया गया है।	6700 रु. प्रति मास

टिप्पण:— मद (ii) से मद (x) में उल्लिखित मूल वेतन, किसी कर्मचारी द्वारा पैरा 7(2) में निर्दिष्ट वार्षिक वेतन वृद्धियों की मंजूरी के पश्चात लिया गया मूल वेतन उपदर्शित करता है।

II. कृत्यकारी भत्ता :—

1 अगस्त, 1992 से 31 जुलाई, 1994 के बीच की अवधि के लिए विशेष कृत्यकारी भत्ते का संदाय, पांचवी अनुसूची की मद II के उपखण्ड (1) के अनुसार किया जाएगा।

कर्मचारियों को, निम्नलिखित कृत्यों में से किसी में लगे हुए अपने नियमित और मुख्य कृत्य के लिए 1 अगस्त, 1994 से कृत्यकारी भत्ते का संदाय, नीचे उपदर्शित रूप में किया जाएगा :—

- (1) विशेष कृत्यकारी भत्ता :
- (क) लिफ्टमैन, मशीन प्रचालक, प्रधान चपरासी, जमादार, दफ्तरी, वातानुकूलन संयंत्र प्रचालक, भारी वाहन चालक, की हॉल्डर या जनरेटर प्रचालक के रूप में कार्यरत कर्मचारी और अधीनस्थ कर्मचारी, बैंक से या बैंक को रोकड़ ले जाने या जहां लाने का कार्य करता हो और जहां किसी कैलेंडर मास के दौरान ले जाए गए रोकड़ की रकम सामान्यतः 25000 रु. या उससे अधिक है।
- (ख) किसी ऐसे कार्यालय में रोकड़ संभालने वाला रोकड़िया किसी कैलेंडर मास के दौरान नकद संव्यवहार की कुल रकम सामान्यतः 25,000/रुपए या उससे अधिक है।

टिप्पण 1:—1 अगस्त, 1994 से उक्त उप खण्ड (क) के अधीन अधीनस्थ कर्मचारियों को संवत् सम्पूर्ण विशेष कृत्यकारी भत्ते का मूल वेतन के रूप में गणना की जाएगी।

टिप्पण 2:— उप खण्ड (ख) के अधीन विशेष कृत्यकारी भत्ते को मूल वेतन का भाग नहीं माना जाएगा। तथापी 1 अगस्त, 1994 से उक्त विशेष कार्यकारी भत्ते को प्रोत्तति पर उसके महंगाई भत्ते, मकान किराया भत्ते, भविष्य निधि उपदान और वेतन का पुनः नियतन करने के प्रयोजन के लिए गणना में लिया जाएगा।

(2) अन्य कृत्यकारी भत्ता :

1 अगस्त, 1992 से 31 जुलाई, 1994 के बीच की अवधि के लिए अन्य कृत्यकारी भत्ते को उक्त स्कीम की पांचवी अनुसूची की मद 2 के उपखण्ड (2) के अनुसार संदत्त किया जाएगा।

1 अगस्त, 1994 से अन्य कृत्यकारी भत्ते निम्न अनुसार संदत्त किए जाएंगे :

- (क) टैलेक्स प्रचालक, पंच कार्ड प्रचालक, यूनिट रेकार्ड मशीन प्रचालक और काम्पटिस्ट 60 रु. प्रति मास
- (ख) निगम के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशकों, अध्यक्ष सह प्रबंध, निदेशकों, महाप्रबंधकों, सहायक महाप्रबंधकों और समतुल्य पदों पर तैनात अधिकारियों के आशुलिपिक 75 रु. प्रति मास
- (ग) लेखा परीक्षा सहायक 240 रु. प्रति मास

टिप्पण 1:—कृत्यकारी भत्ता पाने के लिए पात्र व्यक्तियों की संख्या और नाम, कार्य-भार तथा प्रशासनिक अपेक्षाओं पर निर्भर करते हुए अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक द्वारा अवधारित किए जाएंगे।

टिप्पण 2:—कोई भी कर्मचारी किसी एक समय पर केवल एक कृत्यात्मक भत्ता लेगा।

टिप्पण 3:—छुट्टी पर जाने वाले किसी कर्मचारी को, असाधारण छुट्टी की अवधियों से भिन्न, उसकी छुट्टी की अवधि के दौरान कृत्यात्मक भत्ता दिया जाएगा, परन्तु यह तब जबकि वह अपनी छुट्टी की समाप्ति पर उसी पद पर कार्य आरम्भ करता है।

टिप्पण 4:—कोई भी कर्मचारी, उसी पद से संलग्न कृत्यात्मक भत्ता पाने के लिए अधिकार के रूप में किसी विशिष्ट भाग का कार्य उसे आबंटित किए जाने का दावा नहीं करेगा।

टिप्पण 5:—कोई भी कर्मचारी, कार्यात्मक भत्ता पाने वाले किसी पद पर कार्य करने को इन्कार नहीं करेगा या

शर्त नहीं लगाएगा कि अनुपस्थिति या अस्थायी रूप से कार्य बंद जाने के कारण कार्यालय के प्रधान द्वारा ऐसा कार्य उसे सौंपा गया है, इसलिए उसे भत्ता दिया जाए।

III. महंगाई भत्ता :

(1) कर्मचारियों को लागू महंगाई भत्ते का मापमान निम्नलिखित रूप में अवधारित किया जाएगा :—

सूचकांक : औद्योगिक कर्मचारियों के लिए अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

आधार : 1960 = 100 की श्रृंखला में सूचकांक संख्या 1148

महंगाई भत्ते का पुनरीक्षण : महंगाई भत्ते का पुनरीक्षण प्रत्येक 4 प्वाइंटों की वृद्धि या गिरावट के लिए तिमाही के आधार पर किया जाएगा।

महंगाई भत्ते की दर : 1148 प्वाइंटों से ऊपर तिमाही औसत के प्रत्येक 4 प्वाइंटों के लिए महंगाई भत्ता निम्नलिखित दरों से परिकलित किया जाएगा :—

प्रत्येक 4 प्वाइंटों के लिए महंगाई भत्ते की दर

(क) अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द मूल वेतन का 0.35 प्रतिशत

(ख) अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द से भिन्न सभी कर्मचारी; मूलवेतन प्रत्येक 4 प्वाइंटों के लिए महंगाई भत्ते की दर

(i) 4800/-रु. तक मूल वेतन का 0.35 प्रतिशत

(ii) 4801/-रु. से 7700रु. 4800रु. का 0.35 प्रतिशत धन 4800 रु. से अधिक मूल वेतन का 0.29 प्रतिशत

(iii) 7701/-रु. और उससे अधिक 4800 रु. का 0.35 प्रतिशत धन 4800 रु. और 7700 रु. के बीच अंतर का 0.29 प्रतिशत धन 7700 रुपए से अधिक मूल वेतन का 0.77 प्रतिशत

(2) अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के तिमाही औसत (जिसे इसके पश्चात चालू औसत अंक कहा गया है) में 1148 प्वाइंटों से ऊपर होने पर 1148 - 1152 1156-1160 और इसी अनुक्रम में प्रत्येक चार प्वाइंटों की वृद्धि होने पर संदेय महंगाई भत्ते का उध्वगामी निरीक्षण होगा और यदि चालू औसत अंक उपर्युक्त अनुक्रम में उभ

सूचकांक से नाये आ जाता है जिसके मन्दर्म में पिछली पूर्ववर्ती तिमाही के लिए महंगाई भत्ता दिया गया है तो संदेय महंगाई भत्ते का अध्वगामी निरीक्षण होगा। अध्वगामी पुनरीक्षण होने पर, संदेय महंगाई भत्ता उस दशा में चालू औसत अंकों के तत्समान होगा, यदि ऐसा चालू औसत अंक, अनुक्रम में ऐसा कोई अंक नहीं है तो संदाय महंगाई भत्ता उपर्युक्त अनुक्रम में उस अंक के तत्समान होगा जो चालू औसत अंक से ठीक पहले का है।

(3) इस प्रयोजन के लिए तिमाही से तीन मास की वह अवधि अभिप्रेत है जो मार्च, जून, सितंबर या दिसंबर के अंतिम दिन को समाप्त होती है।

(4) भारतीय श्रम जर्नल (इंडियन लेबर जर्नल) या भारत के राजपत्र में जो भी प्रकाशन पहले उपलब्ध हो, यथा प्रकाशित अंतिम सूचकांक आंकड़े महंगाई भत्ते की संगणना के प्रयोजनार्थ सूचकांक अंक होंगे।

(5) महंगाई भत्ते में किसी विशिष्ट तिमाही के लिए, चालू औसत अंक में परिवर्तनों के तत्स्थानी पुनरीक्षण, तिमाही के अंत के बाद आने वाले दूसरे अगले मास से प्रभावी होगा। तकनीकी अर्हताओं के लिए भत्ता —

IV. 1 अगस्त, 1992 और 31 जुलाई, 1994 के बीच की अवधि के लिए तकनीकी अर्हताओं के लिए भत्ता उक्त स्कीम की पांचवी अनुसूची की मद iv के अनुसार संदत्त किया जाएगा।

1 अगस्त, 1994 से तकनीकी अर्हताओं के लिए भत्ता निम्नानुसार संदत्त किया जाएगा :—

कोई पुष्टिकृत कर्मचारी जो नीचे उल्लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करता है या अर्हता प्राप्त कर चुका है, उसे परीक्षा के परिणामों के प्रकाशन की तारीख या 1 अगस्त, 1994 से, जो भी पश्चात्पूर्वती हो, तकनीकी अर्हताओं के लिए नीचे उल्लिखित भत्ता संदत्त किया जाएगा।

परंतु उसे एक से अधिक अर्हता भत्ता अनुज्ञेय नहीं होगा।

परीक्षा	प्रतिमास अर्हता भत्ता
भारतीय बीमा संस्थान या चार्टर्ड इन्श्योरेंस इंस्टिट्यूट निम्नलिखित पूरा करने पर :	
(i) अनुज्ञप्ति प्राप्त व्यक्ति	48/- रु.
(ii) उपसदस्यता	144/- रु.
(iii) अधिसदस्यता	240/- रु.
बीमांकक संस्थान :	
(iv) प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने पर चार्टर्ड आकउंटेंट संस्थान या भारतीय लागत तथा संकर्म लेखाकार संस्थान निम्नलिखित पूरा करने पर :	48/- रु.
(v) इंटरमीडिएट परीक्षा	96/-

1	2
(6) अंतिम समूह 'क' या समूह 'ख'	180/-
(7) अंतिम समूह 'क' और समूह 'ख'	240/-
(8) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान का कारबार प्रशासन में मास्टर की डिग्री	240/-

तकनीकी अर्हताओं के लिए भत्ते के अनुदान से, संबंधित कर्मचारी की ज्येष्ठता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

यदि किसी कर्मचारी को किसी भी उक्त परीक्षाओं में अर्हता प्राप्त करने पर पहले ही एक अग्रिम वेतनवृद्धि या कोई अन्य आश्चर्य धनीय फायदा दिया गया है तो पहले प्राप्त फायदे की मात्रा के आधार पर अर्हता भत्ते को उपयुक्त रूप से कम कर दिया जाएगा या वह अनुशेष नहीं होगा।

ऐसा कर्मचारी वेतनमान के अधिकतम पर पहुंचने के पश्चात् सेवा का एक वर्ष पूरा करने पर पूर्ण दर के आधे में अग्रिम अर्हता भत्ता प्राप्त करेगा और आगे एक और वर्ष की सेवा के पश्चात् उक्त अर्हता भत्ता पूरा संदत्त किया जाएगा, मंहगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, भविष्य निधि, और वर्ग 3 से वर्ग 1 काडर में प्रोन्नति होने पर नियतन के प्रयोजनों के लिए तकनीकी अर्हता भत्ते को गणना में लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण —उपमद (8) के प्रयोजनों के लिए “मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान” से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान अभिप्रेत है।

5. स्नातक भत्ता

(1) स्नातक वेतन वृद्धि/सहायक के वेतनमान में कर्मचारियों का भत्ता :

1 अगस्त, 1992 और 31 जुलाई, 1994 के बीच की अवधि के लिए उक्त स्कीम की पांचवीं अनुसूची के मद (5) के उपखण्ड (1) के अनुसार सहायक के वेतनमान में कर्मचारियों को स्नातक वेतनवृद्धि/भत्ता संदत्त किया जाएगा।

1 अगस्त, 1994 से, सहायक के वेतनमान में कर्मचारियों को स्नातक वेतनवृद्धि/भत्ता निम्नलिखित के अनुसार संदत्त किया जाएगा :

(क) कोई कर्मचारी जो सहायक के वेतनमान में किसी पद पर नियुक्त या प्रोन्नत हुआ है और उसने 1 जनवरी, 1973 को या उसके बाद किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय के स्नातक रूप में अर्हता प्राप्त की है और जो अपने वेतनमान के अधिकतम तक नहीं पहुंचा है; उसे परीक्षा के परिणामों के, प्रकाशन की तारीख या 1 अगस्त, 1994 या सहायक के वेतनमान में नियुक्ति की तारीख से, जो भी बाद में हो, उसके वेतन-

मान में दो वेतनवृद्धियां अनुदत्त की जाएंगी। परंतु यह कि वह पहले से स्नातक वेतनवृद्धि या ऐसे स्नातक के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिए अर्हता वेतन या नियुक्ति पर, भूतपूर्व सैनिकों को अनुदत्त किए जाने वाली परिलब्धियों के संरक्षण के लिए दी जाने वाली से भिन्न अग्रिम वेतनवृद्धि न प्राप्त कर रहा हो।

परन्तु यदि स्नातक के लिए वेतनवृद्धि का हकदार कोई कर्मचारी 5270 रुपये मूल वेतन ले रहा हो तो उसे केवल एक स्नातक वेतनवृद्धि अनुदत्त की जाएगी।

(ख) सहायक के वेतनमान में कोई कर्मचारी जो किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक है और वह वेतनमान के अधिकतम तक पहुंच चुका हो, उसे अपने वेतनमान के अधिकतम पर पहुंचने के एक वर्ष पश्चात् या 1 अगस्त, 1994 से, जो भी बाद में हो, 78 रुपये प्रतिमास का स्नातक भत्ता संदत्त किया जाएगा और आगे एक और वर्ष की सेवा के पश्चात् उक्त 78 रुपये का स्नातक भत्ता बढ़ा कर 156 रुपये प्रतिमास कर दिया जाएगा।

(ग) कर्मचारी को सहायक के वेतनमान में देय स्नातक भत्ते को मूल वेतन के भाग के रूप में नहीं माना जाएगा।

परंतु उक्त स्नातक भत्ते को मंहगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, भविष्य निधि, उपदान और उच्चतर काडर में प्रोन्नति पर उपयुक्तता के लिए गणना में लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण —ऊपर उप-मद “मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अभिप्रेत है।

(7) अभिलेख लिपिकों को स्नातक भत्ता

1 अगस्त, 1992 और 31 जुलाई, 1994 के बीच की अवधि के लिए, अभिलेख लिपिकों के वेतनमान में कर्मचारियों को स्नातक भत्ता, उक्त स्कीम की पांचवीं अनुसूची के मद 5 के उपखंड (2) के अनुसार संदत्त किया जाएगा।

1 अगस्त, 1994 से अभिलेख लिपिकों के वेतनमान में कर्मचारियों को स्नातक भत्ता निम्नानुसार संदत्त किया जाएगा।

अभिलेख लिपिक के वेतनमान में कोई कर्मचारी जिसने किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक के रूप में अर्हता प्राप्त की है, उसे परीक्षा के परिणामों के प्रकाशन की तारीख से या 1 अगस्त, 1994 से या अभिलेख लिपिक के रूप में प्रोन्नति की तारीख से जो भी बाद में हो, 96 रुपये प्रतिमास स्नातक भत्ता संदत्त किया जाएगा।

टिप्पण : अभिलेख लिपिक के वेतनमान में कर्मचारियों को संदेय स्नातक भत्ते को विशेष भत्ते के रूप में नहीं माना जाएगा और न ही किसी प्रयोजन के लिए उसे मूल वेतन के रूप में माना या संगणित किया जाएगा और यह कर्मचारी की प्रोन्नति पर वापिस ले लिया जाएगा।

6. मकान किराया भत्ता :

1 अगस्त, 1992 से पर्यवेक्षीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द को संदेय मकान किराया भत्ता की दर निम्नानुसार होगी :

तैनाती का स्थान	प्रतिमास दर
(क) 12 लाख से अधिक आबादी मूल वेतन का 12 प्रतिशत वाले नगर	
(ख) सभी अन्य स्थान	मूल वेतन का 10 प्रतिशत

(2) वे कर्मचारी जिन्हें निवास स्थान/कर्मचारिवृन्द आवास गृह आवंटित है किसी मकान किराया भत्ता के लिए हकदार नहीं होंगे परन्तु ऐसे आवास के लिए समय-समय पर निगम के बोर्ड द्वारा विनिश्चित की जाने वाली समुचित अनुज्ञप्ति फीस निगम/कंपनी को संदत्त करेंगे।

परन्तु ऐसा कर्मचारी जिसे 1 अप्रैल, 1983 से पूर्व आवास सुविधा/स्टाफ क्वार्टर आवंटित किया गया है और जो इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख से ठीक पूर्व की तारीख को उक्त स्कीम की चौथी अनुसूची की मद 6 के निबंधनों के अनुसार मकान किराया भत्ता लेता रहा है, तब तक ऐसा मकान किराया भत्ता प्राप्त करता रहेगा जब तक वह निगम/कंपनी द्वारा आवंटित उसी आवास सुविधा/स्टाफ क्वार्टर का अधिभोग करता रहता है।

टिप्पण 1 :—इस पैरा के प्रयोजन के लिए जनसंख्या आंकड़े वही होंगे जो 1991 की जनगणना रिपोर्ट में दिए गए हैं।

टिप्पणी 2 :—नगरों के अंतर्गत उनकी नगर बस्तियां भी आएंगी।

7. नगर प्रतिकरात्मक भत्ता :

1 अगस्त, 1992 और 31 जुलाई, 1993 के बीच की अवधि के लिए पर्यवेक्षीय लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द कर्मचारियों को संदेय नगर प्रतिकरात्मक भत्ते की दर 1 अगस्त, 1992 से ठीक पूर्व के दिन को उन्हें लागू वेतनमान के प्रति निर्देश से उक्त स्कीम की पांचवीं अनुसूची की मद 7 के अनुसार उस सीमा तक और उसी रीति में होगी जैसी उन्हें तब लागू होती यदि यह भव्य पुनरीक्षित की गई होती।

1 अगस्त, 1993 से पर्यवेक्षीय लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द कर्मचारियों को संदेय नगर प्रतिकरात्मक

भत्ते की दर 1 अगस्त, 1992 से उन्हें लागू वेतनमान के प्रति निर्देश से निम्नलिखित रूप में होगी—

तैनाती का स्थान	दर
(क) 12 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर, फरीदाबाद, गजियाबाद, नोएडा, पणजी और मारमगोआ, गुडगांव तथा गोआ राज्य में अन्य कोई नगर	अधीनस्थ कर्मचारी भिन्न कर्मचारियों के लिए मूल वेतन का 4.5 प्रतिशत किन्तु अधिकतम 200 रुपए प्रतिमास और न्यूनतम 100 रुपए प्रतिमास के अधीन रहते हुए।

(ख) 5 लाख और उससे अधिक किन्तु 12 लाख से अनधिक जनसंख्या वाले नगर, 12 लाख से अनधिक जनसंख्या वाले राज्यों की राजधानियां चंडीगढ़, मोहाली, पांडिचेरि, पोर्टब्लेयर, पंचकुला।

टिप्पण 1 :—इस पैरा के प्रयोजन के लिए जनसंख्या आंकड़े वही होंगे जो 1991 की जनसंख्या रिपोर्ट में दिए गए हैं।

टिप्पण 2 :—नगरों के अंतर्गत भी उनकी नगर बस्तियां आएंगी।

8. पर्वतीय स्थान भत्ता :

1 अगस्त, 1992 और 31 जुलाई, 1994 के बीच की अवधि के लिए पर्यवेक्षीय लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द कर्मचारियों को संदेय पर्वतीय स्थान भत्ते की दर 1 अगस्त, 1992 से ठीक पूर्व के दिन को उन्हें लागू वेतनमान के प्रति निर्देश से उक्त स्कीम की पांचवीं अनुसूची की मद 8 के अनुसार उस सीमा तक और उसी रीति में होगी जैसी उन्हें तब लागू होती यदि यह मद पुनरीक्षित न की गई होती।

1 अगस्त, 1994 से पर्यवेक्षीय लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द कर्मचारियों को संदेय पर्वतीय स्थान भत्ते की दर 1 अगस्त, 1992 को उन्हें लागू वेतनमान के प्रति निर्देश से निम्नलिखित रूप में होगी :—

(1) जो औसत समुद्रतल से मूल वेतन के 4 प्रतिशत की 1500 मीटर तथा दर पर किन्तु अधिकतम उमसे अधिक की ऊंचाई 150 रुपए प्रतिमास के पर स्थित स्थानों पर अधीन रहते हुए। तैनात है।

(2) जो औसतत समुद्रतल मूल वेतन के 3 प्रतिशत की से 1000 मीटर और दर पर किन्तु अधिकतम 125 उससे अधिक किन्तु रूपए प्रतिमास के अधीन 1500 मीटर से कम रहते हुए।

ऊँचाई पर स्थित स्थानों पर सरकार पर केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों द्वारा अपने कर्मचारियों के लिए विनिर्दिष्ट रूप से पर्वतीय स्थान घोषित किए गए हैं।

(3) जो औसत समुद्रतल से मूल वेतन के 3 प्रतिशत की 750 मीटर से अन्यून दर पर किन्तु अधिकतम 125 की ऊँचाई पर स्थित रूपए प्रतिमास के अधीन ऐसे स्थानों पर जो रहते हुए। औसत समुद्रतल के 1000 मीटर और उससे अधिक की ऊँचाई वाले पर्वतों से घिरा हुआ है और जहाँ उसी रास्ते से पहुँचा जा सकता है।

9. किट भत्ता :

पाचत्री अनुसूची की मद 8 में सूचीबद्ध किसी पर्वतीय स्थान में स्थानान्तरित कर्मचारियों को 500/- रूपए किट भत्ता का संदाय किया जाएगा। एक पर्वतीय स्थान से दूसरे पर्वतीय स्थान में स्थानान्तरण पर किट भत्ते का संदाय नहीं किया जाएगा यदि वह पिछले तीन वर्षों के दौरान किसी समय लिया गया था।

10. नियत वैयक्तिक भत्ता

1 नवम्बर, 1993 से,

(1) ऐसा कर्मचारी, जो कम्प्यूटर वेतन वृद्धि के बदले 1 नवम्बर, 1993 को नियत वैयक्तिक भत्ता प्राप्त कर रहा था, 1 नवम्बर, 1993 को वेतनमान के अधिकतम पर पहले से पहुँचने के लिए पुनरीक्षण स्कीम, 1996 के अधीन "परिवर्तित निर्बंधनों" के अधीन उसके वेतन के नियतन पर नियत वैयक्तिक भत्ता प्राप्त करता रहेगा। नियत वैयक्तिक भत्ता 1 नवम्बर, 1993 को उसे लागू वेतनमान में अंतिम वेतनवृद्धि, 1 नवम्बर, 1993 को उस पर महंगाई भत्ते और उन पर मकान किराया भत्ते का यदि कोई हो, योग होगा।

(2) ऐसे कर्मचारी को, जो कम्प्यूटरीकरण के मद्दे वेतन वृद्धि ले रहा है और जो उसे लागू वेतनमान के अधिकतम तक पहुँच चुका है, वेतनमान के अधिकतम तक पहुँचने के एक वर्ष की अवधि की समाप्ति पर उपरोक्त उपपैरा (1) में निविष्ट नियत वैयक्तिक भत्ते का संदाय किया जाएगा।

(3) उस विस्तार तक नियम वैयक्तिक भत्ते की जितना वह किसी कर्मचारी द्वारा उस वेतनमान में जो वह 1 नवम्बर, 1993 को प्राप्त कर रहा था, की गई अंतिम वेतनवृद्धि की रकम में अधिक नहीं है, भविष्य निधि, उपदान के प्रयोजनों के लिए और साधारण बीमा (कर्मचारी) पेंशन स्कीम, 1995 के अधीन संदेय पेंशन के प्रयोजन के लिए गणना की जाएगी।

11. बाह्य भत्ता; 1 अगस्त, 1994 या नियुक्ति की तारीख से जो भी पश्चात्तवर्ती हो, प्रत्येक पद किए गए पूर्ण-कालिक कर्मचारी को 100/- रूपए (सौ रूपए) प्रतिमास की दर से बाह्यभत्ता संदत्त किया जाएगा।

[फा. सं. 2(4)/बीमा-III/96]

सी. एस. राव, संयुक्त सचिव (बीमा)

स्पष्टीकारक ज्ञापन

केन्द्रीय सरकार ने भारतीय साधारण बीमा निगम और समनुषंगी कंपनियों के कर्मचारियों की बाबत कतिपय वेतनमानों और सेवा की शर्तों का विभिन्न तारीखों से तथा भूतलक्षी प्रभाव से पुनरीक्षण किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। साधारण बीमा (पर्यवेक्षीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द के वेतनमान और सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण तथा पुनरीक्षण) स्कीम, 1994 का तदनुसार संशोधन किया गया है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिसूचना को भूतलक्षी प्रभाव दिए जाने से भारतीय साधारण बीमा निगम और इसकी समनुषंगी कंपनियों के किसी कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

टिप्पणः—मूल स्कीम अधिसूचना सं. का. आ. 326 (अ) तारीख 28-5-1994 द्वारा प्रकाशित—

उसका पश्चात्तवर्ती संशोधन अधिसूचना सं. का. आ. 472 (अ) तारीख 5 सितम्बर, 1975, 5415 तारीख 22 दिसम्बर, 1975; 390(अ) तारीख 1 जून, 1976, 4466 तारीख 11 नवम्बर, 1976, 2443 तारीख 30 जुलाई, 1977, 1046 तारीख 29 मार्च, 1978, 1049 तारीख 29 मार्च, 1978, 1410 तारीख 26 अप्रैल, 1978, 3429 तारीख 16 नवम्बर, 1978, 314(अ) तारीख 12 मई, 1980, 827(अ) तारीख 30 सितम्बर, 1980, 729 (अ) तारीख 21 सितम्बर, 1984, 769(अ) तारीख 15 अक्तूबर, 1985, 884(अ) तारीख 9 दिसम्बर, 1985, 729(अ) तारीख 3 अक्तूबर, 1986 441(अ) तारीख 27 अप्रैल, 1987, 1038(अ) तारीख 7 दिसम्बर, 1987, 780(अ) तारीख 22 अगस्त, 1988, 783(अ) तारीख 22 अगस्त, 1988, 1160(अ) तारीख 9 दिसम्बर, 1988, 180(अ) तारीख 10 मार्च, 1989, 356(अ) तारीख 12 मार्च, 1989, 405(अ) तारीख 24 मई, 1990, 542(अ) तारीख 6 जुलाई, 1990, 593(अ) तारीख 27 जुलाई, 1990, 797(अ) तारीख 25 नवम्बर 1991, 909(अ) तारीख 23 दिसम्बर, 1991 और 594(अ) तारीख 30 जून, 1995

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

INSURANCE DIVISION

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd February, 1996

S.O. 139(E).—In exercise of the powers conferred by Section 17A of the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972), the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974, namely :—

1. Short title and Commencement :—(1) This Scheme may be called the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) (Amendment) Scheme, 1996.

(2) Save as otherwise provided, the provisions of this Scheme shall be deemed to have come into force on the 1st day of August, 1992.

(3) Nothing contained in this scheme shall entitle an employee to claim over time wages higher than what he had been entitled to prior to the publication of this scheme.

2. In the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974 (hereinafter referred to as the 'said Scheme'), in paragraph 3, after clause (ac), the following clauses shall be inserted namely :—

(ad) "altered terms" means the altered scales of pay and allowances as specified in the Sixth Schedule.

(ae) "altered scales of pay" means the altered scales of pay specified in the Sixth Scheme.

3. In paragraph 4 of the said Scheme, after subparagraph (7), the following subparagraph shall be inserted, namely :—

"(8) With effect from the 1st day of August, 1992, the pay and allowances of every employee shall be in accordance with altered terms. The basic salary of every employee in service as on that date and of every employee appointed after that date but before the date of publication of the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) (Amendment) Scheme, 1996, (hereinafter referred to as a revision Scheme, 1996) in the Official Gazette shall be in accordance with the altered scales of pay in accordance with the provisions of paragraph 6D.

(9) Every employee whose basic salary is fixed in the altered scales of pay" in accordance with the provisions of Paragraph 6D of this Scheme shall be paid, from the date of fixation in the "altered scale of pay", for the period commencing on and from the 1st day of August, 1992 or the date of his appointment, or the date from which he opts to be governed by the provisions of the Revision Scheme, 1996, whichever is later, the difference of basic salary, Personal Pay, if any, Dearness Allowance and other allowances (after deducting the employee's compulsory contribution to the Provident Fund), between the "altered terms" and the "amended terms" applicable to him :

Provided that —

(i) in the case of an employee, who had retired or resigned from service after the 1st day of August, 1992 shall be paid the difference in amount, as specified in sub-paragraph (9), for the period upto the date of his retirement or the resignation, as the case may be, along with the difference in amount of gratuity, if any, arising out of the Revision Scheme, 1996.

(ii) in the case of an employee who had died whilst in service on or after 1st day of August, 1992 the difference in amount as specified in sub-paragraph (9), for the period upto the date of his death shall be paid to the person to whom his Provident Fund was paid or is to be paid and the difference in amount of gratuity, if any, arising out of the Revision Scheme, 1996 shall be paid to the person to whom gratuity was paid or is to be paid :

Provided further that in respect of an employee who is promoted from Supervisory, Clerical and Subordinate Staff cadre to the cadre of officer or converted as Development Officer on or after the 1st day of August, 1992 the difference in the amount referred to above (excluding the difference in gratuity amount) upto the date of his promotion as Officer or conversion as Development Officer, shall be paid on the basis of notional fixation of his basic salary in the altered terms.

EXPLANATION :—For the purpose of subparagraph (9) the expression 'Other Allowances' means House Rent Allowance, City Compensatory Allowance, Functional Allowance, Hill Station Allowance, Graduation Allowance, Allowance for technical qualifications and Conveyance Allowance as admissible to an employee.

4. After paragraph 6C of the said Scheme, the following paragraph shall be inserted, namely :—

"6D. Fixation of the scales of pay and other allowances : (1) The scales of pay and other allowances in case of every employee in service as on 1st day of August, 1992 and who continues to be in service on or after the date of notification of Revision Scheme, 1996, shall be in accordance with the "altered terms" from a date not earlier than the date mentioned below against each items :—

1. Pay scales .. 1-8-1992
2. Dearness Allowance .. 1-8-1992
3. House Rent Allowance .. 1-8-1992
4. City Compensatory Allowance .. 1-8-1993
5. Provident Fund/Fixed Personal Allowance .. 1-11-1993
6. Other allowances viz. Functional Allowances, Graduation Allowance, Hill Station Allowance, Temporary Adjustment Allowance .. 1-8-1994
7. Conveyance Allowance .. 1-8-1994

(2) The scales of pay and allowances in case of every employee appointed on or after 1st day of August, 1992 but before the publication of the Revision Scheme, 1996 in the official Gazette and who continues to be in service on or after the date of notification of Revision Scheme, 1996, the scales of pay and other allowances shall be in accordance with the "altered terms" from a date not earlier than the date mentioned against each item as above, or the date of appointment whichever is later.

(3) Notwithstanding any thing contained in sub-paragraph (1) and (2), the employee may choose that the scale of pay and other allowances may be fixed in his case in accordance with the altered terms with effect from the dates mentioned in sub-paragraph (1) above or any date thereafter but on or before the date of publication of the Revision Scheme, 1996 in which case, he shall intimate such choice in writing to the Corporation or Company within 30 days of such publication of the Revision Scheme 1996 :

Provided that no arrears for the period from the 1st day of August, 1992 to the date so chosen shall be payable to such employee.

Provided further that on or after 1-8-1994, if the altered total monthly emoluments (namely Basic Salary, Fixed Personal Allowance, Dearness Allowance, House Rent Allowance, City Compensatory Allowance and Conveyance Allowance or a monthly benefit of any other type) of an employee after deducting Provident

Fund, the difference shall be paid as Temporary Adjustment Allowance which will be adjusted against any net increase in Basic Salary, Fixed Personal Allowance, Dearness Allowance or any other Allowance or a monthly benefit of any other type till it gets fully wiped off :

Provided also that while calculating the arrears from 1-8-1992 to 31-7-1994 if the net difference between the amended total emoluments after deducting Provident Fund and the altered total monthly emoluments after deducting the Provident Fund is negative, the same shall be ignored.

5. In paragraph 7 of the said Scheme, for Sub-paragraph (2) and proviso thereto, the following shall be substituted, namely :—

"(2) In respect of an employee whose basic salary is fixed at maximum of the altered scale of pay on the first day of August, 1992 or on the date of publication of the Revision Scheme, 1996 under paragraph 6D and in respect of an employee who will be reaching the maximum of the altered scale of pay at any time thereafter during the period of his service, the Managing Director or the Chairman-cum-Managing Director of the Company, as the case may be, or any Officer authorised by him in this behalf, may, subject to the work record of the employee being found satisfactory, consider :—

(a) granting of one increment to such employee in the scale of Assistant, Record Clerk, Driver or other Subordinate Staff as the case may be, for every two years of Continuous Service rendered by him after the date of his reaching the maximum of the respective altered scale of pay at the rate of last increment drawn in the scale and not more than four such increments shall be granted :

Provided that the fourth stagnation increment shall be granted to the employee in the scale of Assistant, Record Clerk, Driver or other Subordinate Staff, as the case may be, after the completion of two years from the date of receipt of third stagnation increment or from 1-8-1994 whichever is later.

(b) granting of one increment to such employee in the scale of Senior Assistant or Stenographer, in the altered scale of pay for every three years of continuous service rendered by him after the date of his reaching the maximum of the altered scale of pay and not more than three such increments shall be granted under this sub-paragraph :

Provided that the third stagnation increment shall be granted to the employee in the scale of Senior Assistant or Stenographer, as the case may be, after the completion of three years from the date of receipt of second stagnation increment or from 1-8-1994 whichever is later.

- (c) granting of one increment to such employee in the scale of Superintendent, in the altered scale of pay three years after reaching maximum of the altered scale of pay or from 1-8-1994, whichever is later.

EXPLANATION : For the purpose of this paragraph "Continuous Service" means a period of duty excluding period of extra-ordinary leave."

6. In paragraph 11 of the said scheme, the following Explanation shall be inserted at the end, namely :—

"Explanation.—For the purposes of this paragraph the expression basic salary plus personal pay and special pay admissible for provident fund : (i) for the period commencing on 1st day of August, 1992 and ending with 31st day of October, 1993 shall be computed with reference to the "amended terms",

- (ii) For the period commencing from 1st day of November, 1993 shall be computed with reference to the "altered terms". "

7. In the said Scheme, after the Fifth Schedule, the following Sixth Schedule shall be inserted, namely :—

"THE SIXTH SCHEDULE

[See paragraph 3(ad) and (ae)]

I. ALTERED SCALES OF PAY (BASIC SALARY) :

A. Supervisory and Clerical Staff :

- (1) Superintendent : (Run-off cadre)*
Rs. 3725-215-3940-230-7160.
- (2) Senior Assistant :
Rs. 2725-155-3345-190-3725-215-3940-230-6700.
- (3) Stenographer :
Rs. 2725-155-3345-190-3725-215-3940-230-6700.
- (4) Assistant, Typist, Telephone Operators, Telex Operator, Receptionist, Punch Card Operator, Unit Record Machine Operator, Comptist and other equivalent posts :
Rs. 1950-100-2050-120-2290-135-2830-155-3760-200-3960-210-4170-230-4860-410-5270-230-5500.
- (5) Record Clerk :
Rs. 1830-70-1970-80-2370-100-2670-110-3000-120-3600-130-3990.

B. Subordinate Staff :

(1) Driver :

Rs. 1830-70-1970-80-3010-90-3190-100-3590.

(2) Other Subordinate Staff :

Rs. 1600-50-1650-70-2490-80-2730-90-2820-100-3020.

*No fresh appointment to be made to the post of Superintendent by the Corporation or Company.

(1) The basic salary of every employee in service as on the 1st day of August, 1992, and who continues to be in service after the date of notification of Revision Scheme, 1996, shall be fixed at the corresponding stage in the respective altered scale of pay with effect from 1st day of August, 1992 or the date of option, whichever is later.

(2) The basic salary of every employee appointed after the 1st day of August, 1992 and who continues to be in service after the date of notification of Revision Scheme, 1996, in the Official Gazette, shall be fixed at the corresponding stage in the respective altered scale of pay with effect from the date of his appointment or date of option whichever is later.

(3) The basic salary of every employee who was in service on or after 1st day of August, 1992 and who retired or resigned or died on or before the publication of the Revision Scheme, 1996 in the Official Gazette, shall be fixed at the corresponding stage in the respective altered scale of pay with effect from 1-8-1992 or the date of his appointment whichever is later.

(A) Notwithstanding anything contained in paragraph (1), (2) or (3) above, or in the Promotion Policy for Supervisory, Clerical and Subordinate Staff, when an employee in the scale of pay of Assistant drawing a basic salary of Rs. 5270 or more per month is promoted to the post of Senior Assistant/Stenographer on or after 1st day of August, 1992 the basic salary of such employees shall be fixed in the promoted scale as shown in the table below :

TABLE

Basic Salary in the scale of pay of Assistant	Basic Salary in the scale of pay of Senior Assistant/Stenographer
(1)	(2)
(i) Rs. 5270 per month	Rs. 5320 per month
(ii) Rs. 5500 per month	Rs. 5550 per month
(iii) Rs. 5730 per month, was drawn by the employee for less than one year.	Rs. 5780 per month
(iv) Rs. 5730 per month, was drawn by the employee for one year or more.	Rs. 6010 per month

	(1)	(2)
(v)	Rs. 5960 per month, was drawn by the employee for less than one year.	Rs. 6010 per month
(vi)	Rs. 5960 per month, was drawn by the employee for one year or more.	Rs. 6240 per month
(vii)	Rs. 6190 per month, was drawn by the employee for less than one year.	Rs. 6240 per month
(viii)	Rs. 6190 per month, was drawn by the employee for one year or more.	Rs. 6470 per month
(ix)	Rs. 6240 per month, was drawn by the employee for less than one year.	Rs. 6470 per month
(x)	Rs. 6420 per month, was drawn by the employee for one year or more.	Rs. 6700 per month

NOTE : The basic salary mentioned in items (ii) to (x) indicates the basic salary drawn by the employee after grant of increments as referred to in paragraph 7(2).

II. FUNCTIONAL ALLOWANCE :

For the period between the 1st day of August, 1992 and 31st July, 1994, the Special Functional Allowance shall be paid as per sub-clause (1) of item II of the Fifth Schedule of the said Scheme

With effect from 1st day of August, 1994, the employees engaged in any of the following functions as their regular and main function shall be paid a functional allowance as indicated below :—

(1) Special Functional Allowance :

- | | |
|--|----------------|
| (a) Subordinate Staff working as Liftmen, Machine Operators, Head Peons, Jamadars, Daftaries, A.C. Plant Operators, Heavy Vehicle Drivers, Key Holders or Generator Operators and Subordinate Staff carrying cash to or from Bank where the amount of cash carried during a calendar month is ordinarily Rs. 25,000/- or more. | Rs. 100/- p.m. |
| (b) Cashier handling cash in an office where the total amount of cash transactions during a calendar month is ordinarily Rs. 25,000/- or more. | Rs. 210/- p.m. |

NOTE 1 : With effect from 1st day of August, 1994, the Entire Special Functional Allowance payable to Subordinate Staff under sub-clause (a) above will count as basic salary.

NOTE 2 : Special Functional Allowance under sub-clause (b) shall not be treated as part of basic salary. However, with effect from 1st day of August, 1994, the said Special Functional Allowance

shall count for the purpose of Dearness Allowance, House Rent Allowance, Provident Fund, Gratuity and fixation on promotion.

(2) Other Functional Allowance :

For the period between the 1st day of August, 1992 and 31st July, 1994, Other Functional Allowance shall be paid as per sub-clause (2) of item II of the Fifth Schedule of the said Scheme.

With effect from 1st day of August, 1994, the Other Functional Allowance shall be paid as under :

- | | |
|--|----------------|
| (a) Telex Operators, Punch Card Operators, Unit Record Machine Operators and Comptists | Rs. 60/- p.m. |
| (b) Stenographer to Chairman of the Corporation, Managing Directors, Chairman-cum-Managing Directors, General Managers, Assistant General Managers And equivalent positions. | Rs. 75/- p.m. |
| (c) Audit sAsistants | Ms. 240/- p.m. |

NOTE 1 : The number and names of persons eligible to draw the functional allowance shall be determined by the Chairman-cum-Managing Director or the Managing Director or by the officer authorised in this behalf, depending upon the load of work and administrative requirements.

NOTE 2 : An employee shall draw only one functional allowance at any one time.

NOTE 3 : An employee proceeding on leave shall be paid the functional allowance during his leave period other than periods of extra ordinary leave, provided that he resumes work in the same position on the expiry of his leave.

NOTE 4 : No employee shall, as a matter of right, claim to be allotted a particular portfolio of work in order to avail of the functional allowance attaching to that position/post.

NOTE 5 : No employee shall refuse to work in a position carrying a functional allowance or make it a condition that he be paid such allowance where, because of absence of the incumbent or temporary pressure of work, the employee is assigned such work by the Head of his Office.

III. DEARNESS ALLOWANCE :

(1) The rate of dearness allowance applicable to the employees shall be determined as under :—

Index	All India Average Consumer Price Index Number for Industrial Workers.
Base	Index No. 1148 in the series 1960 = 100.

Revision of Dearness Allowance : Revision of dearness allowance may be made on quarterly basis for every 4 points rise or fall.

Rate of Dearness Allowance : For every 4 points in the quarterly average over 1148 points, the dearness allowance shall be calculated at the following rates :—

Rate of D.A. for every 4 points

- (a) Subordinate Staff 0.35% of Basic Salary
- (b) All employees other than Subordinate Staff:
- | Basic Salary | Rate of D.A. for every 4 points |
|-----------------------------|---|
| (i) Upto Rs. 4800/- | 0.35% of basic salary |
| (ii) Rs. 4801/- to Rs. 7700 | 0.35% of Rs. 4800/- plus 0.29% of basic salary in excess of Rs. 4800/-. |
| (iii) Rs. 7701/- and above | 0.35% of Rs. 4800/- plus 0.29% of difference between Rs. 4800/- and Rs. 7700/- plus 0.17% of basic salary in excess of Rs. 7700/- |

(2) There shall be an upward revision of the dearness allowance payable for every four points rise in the quarterly average (hereinafter referred to as the "current average figure") of the All India Consumer Price Index above 1148 points in the sequence 1148-1152-1156-1160 and so on ; and there shall be downward revision of the dearness allowance payable if the current average figure falls below the index figure in the above sequence with reference to which the dearness allowance has been paid for the last preceding quarter. On the downward revision, the dearness allowance payable shall correspond to the current average figure if such current average figure is a figure in the above sequence ; and the dearness allowance payable shall correspond to the figure in the above sequence next preceding the current average figure if such current average figure is not a figure in the sequence.

(3) For this purpose, quarter shall mean a period of three months ending on the last day of March, June, September or December.

(4) The final index figures as published in the Indian Labour Journal or the Gazette of India, whichever publication is available earlier, shall be the index figure which shall be taken for the purpose of calculation of dearness allowance.

(5) The revision in dearness allowance corresponding to the changes in the current average figure for any particular quarter shall take effect only from the second succeeding month following the end of the quarter.

IV. Allowance for Technical Qualifications :

For the period between the 1st day of August, 1992 and 31st July, 1994, the Allowance for Technical Qualifications shall be paid as per item IV of the Fifth Schedule of the said Scheme.

With effect from 1st day of August, 1994, the Allowance for Technical Qualifications shall be paid as under :

A confirmed employee who qualifies or has qualified in an examination mentioned below shall be paid with effect from the date of publication of the results of the examination, or the 1st day of August, 1994, whichever is later, the allowance for Technical Qualifications mentioned below :—

Provided that not more than one qualification allowance shall be permissible to him.

Examination	Qualification Allowance per month.
Insurance Institute of India or Chartered Insurance Institute :	
On completion of :	
(i) Licentiate	48/-
(ii) Associateship	144/-
(iii) Fellowship	240/-
Institute of Actuaries :	
(iv) On passing each subject	48/-
Institute of Chartered Accounts or Institute of Cost and Works Accountants:	
On completion of :	
(v) Intermediate Examination	96/-
(vi) Final Group A or Group B	180/-
(vii) Final Group A and Group B	240/-
On completion of :	
(viii) Master of Business Administration of a recognised University/Institution	240/-.

The grant of allowance for technical qualifications shall not affect the seniority of the employee concerned.

Where the employee has already been given an advance increment or any other recurring monetary benefit for having qualified in any of the said examinations, the amount of qualification allowance shall be suitably reduced or be not admissible depending on the quantum of benefit already received.

Such employee on completion of service of one year after reaching the maximum of the scale shall receive the qualification allowance amounting to not less than one-half of the full rate and after a further service of one year, the said qualification allowance shall be paid in full.

The allowance for technical qualification shall count for the purpose of Dearness Allowance, House Rent Allowance, Provident Fund, Gratuity and fixation on promotion from Class III to Class I cadre.

Explanation :—For the purposes of sub-item :
viii) "recognised University/Institution means a University/Institution recognised by the University Grants Commission.

V. GRADUATION ALLOWANCE :**(1) GRADUATION INCREMENTS/ALLOWANCE TO EMPLOYEES IN THE SCALE OF ASSISTANT :**

For the period between the 1st day of August, 1992 and 31st July, 1994, the Graduation Increments/Allowance to employees in the scale of Assistant shall be paid as per sub-clause (1) of item V of the Fifth Schedule of the said Scheme.

With effect from 1st day of August, 1994, the Graduation Increments/Allowance to employees in the scale of Assistant shall be paid as under :

(a) An employee who is appointed or promoted to any post in the scale of Assistant and who has qualified as a Graduate of a recognised University on or after the 1st day of January, 1973, and has not reached the maximum of the scale shall be granted two increments in the scale with effect from the date of publication of results of the examination, or 1st day of August, 1994 or the date of appointment in the scale of Assistant, whichever is later, provided that he has not already received graduation increment or qualification pay for having qualified as such graduate or any advance increment on appointment, otherwise than by way of protection of emoluments granted to ex-servicemen :

Provided that if an employee entitled to increments for graduation is drawing basic salary of Rs. 5270/-, only one increment for graduation shall be granted to him.

(b) An employee in the scale of Assistant who is a graduate of a recognised University and has reached the maximum of the scale shall be paid graduation allowance of Rs. 78/- per month one year after he has reached the maximum of the scale or with effect from the 1st day of August, 1994, whichever is later and after a further service of one year the said graduation allowance of Rs. 78/- shall be increased to Rs. 156/- per month.

(c) Graduation allowance payable to employees in the scale of Assistant shall not be treated as part of basic salary. Provided that the said Graduation allowance shall count for the purpose of Dearness Allowance, House Rent Allowance, Provident Fund, Gratuity and Fitment on promotion to the higher cadre.

Explanation : For the purposes of the above sub-item "recognised University" means a University recognised by the University Grants Commission.

(2) GRADUATION ALLOWANCE TO RECORD CLERKS :

For the period between the 1st day of August, 1992 and 31st July, 1994, the Graduation Allowance to employees in the scale of Record Clerks shall be paid as per sub-clause (2) of item V of the Fifth Schedule of the said Scheme.

With effect from 1st day of August, 1994, the Graduation Allowance to employees in the scale of Record Clerks shall be paid as under :

An employee in the scale of Record Clerk, who has qualified as Graduate of a recognised University shall be paid Graduation Allowance of Rs. 96/- p.m. with effect from the date of publication of results of the examination or the 1st day of August, 1994, or the date of promotion as Record Clerk, whichever is later.

Note : The Graduation Allowance payable to employees in the scale of Record Clerk shall not be treated as Special Allowance nor shall it be treated or counted as basic salary for any purpose and it shall be withdrawn on promotion of the employee.

VI. HOUSE RENT ALLOWANCE :

With effect from 1st day of August, 1992, the rate of House Rent Allowance payable to Supervisory, Clerical and Subordinate Staff employees shall be as under :

Place of posting	Rate per month
(a) Cities with population exceeding 12 lacs.	12% of Basic Salary
(b) All other places	10% of Basic Salary

(2) Employees who are allotted residential accommodation/staff quarters, shall not be entitled to any House rent allowance, but they shall pay to the Corporation/Company, for such accommodation, the appropriate licence fee as may be decided by the Board of the Corporation from time to time. Provided that an employee who has been allotted residential accommodation/staff quarters before the 1st day of April, 1983, and who has been in receipt of House Rent Allowance as on date immediately preceding the date of publication of this scheme in terms of item VI of the Fourth Schedule of the said Scheme shall continue to receive such House Rent Allowance so long as he continues to occupy the same residential accommodation/staff quarters allotted by the Corporation/Company.

Note 1 : For the purpose of this paragraph, the population figure shall be those in the 1991 Census Report.

Note 2 : Cities shall include their urban agglomerations.

VII. CITY COMPENSATORY ALLOWANCE :

For the period between the 1st day of August, 1992 and 31st July, 1993, the rate of City Compensatory Allowance payable to Supervisory, Clerical and Subordinate Staff employees shall be as per item VII of the Fifth Schedule of the said Scheme with reference to the scale of pay applicable to them on the day immediately preceding the 1st day of August, 1992 to the same extent and in the same manner as would have been applicable to them had this item not been revised.

With effect from 1st August, 1993, the rate of City Compensatory Allowance payable to Supervisory,

Clerical and Subordinate Staff employees shall be as under with reference to the scale of pay applicable to them from 1st day of August, 1992.

Place of posting	Rate
(a) Cities with population exceeding 12 lacs, Faridabad, Ghaziabad, Noida, Panaji and Marmagao, Gurgaon and any other city in the State of Goa.	4.5% of Basic Salary subject to maximum of Rs. 200/- p.m. and minimum of Rs. 100/- p.m. for employees other than Staff Subordinate
(b) Cities with population of 5 lacs and above but not exceeding 12 lacs, State capitals with population not exceeding 12 lacs, Chandigarh, Mohali, Pondicherry, Port Blair, Panchkula.	3.5% of Basic Salary subject to maximum of Rs. 150/- p.m. and minimum of Rs. 75/- p.m. for employees other than Subordinate Staff.

NOTE 1 : For the purpose of this paragraph, the population figures shall be those in the 1991 Census Report.

NOTE 2 : Cities shall include their urban agglomerations.

VIII. HILL STATION ALLOWANCE :

For the period between the 1st day of August, 1992 and 31st July, 1994, the rate of Hill Station Allowance payable to Supervisory, Clerical and Subordinate Staff employees shall be as per item VIII of the Fifth Schedule of the said Scheme with reference to the scale of pay applicable to them on the day immediately preceding the 1st day of August, 1992 to the same extent and in the same manner as would have been applicable to them had this item not been revised.

With effect from 1st day of August, 1994, the rate of Hill Station Allowance payable to Supervisory, Clerical and Subordinate Staff employees shall be as under with reference to the scale of pay applicable to them on 1st day of August, 1992 :—

- | | |
|--|---|
| (i) Posted at places situated at a height of 1500 metres and over, above mean sea level. | At the rate of 4% of the basic salary, subject to maximum of Rs. 150/- per month. |
| (ii) Posted at places situated at a height of 1000 metres and over, but less than 1500 metres, above mean sea level, at Mercara and at places which are specifically declared as "Hill Stations" by Central/State Governments for their employees. | At the rate of 3% of basic salary, subject to maximum of Rs. 125/- per month. |
| (iii) Posted at places situated at a height of not less than 750 metres, above mean sea level which are surrounded by and accessible only through hills with a height of 1000 metres and over, above mean sea level. | At the rate of 3% of basic salary, subject to a maximum of Rs. 125/- per month. |

IX. KIT ALLOWANCE :

Employees transferred to any of the hill stations listed in item VIII of the Fifth Schedule shall be paid a Kit Allowance of Rs. 500/-. The Kit Allowance shall not be payable on transfer from one hill station to another if the same was drawn at any time during the preceding three years.

X. FIXED PERSONAL ALLOWANCE :

With effect from 1st day of November, 1993, .

(1) an employee who was drawing Fixed Personal Allowance as on 1st November, 1993 in lieu of computer increment, for having already reached the maximum of the scale as on 1st November, 1993, would continue to get the Fixed Personal Allowance on fixation of his pay under the "altered terms", under the Revision Scheme, 1996. The Fixed Personal Allowance would be the aggregate of the last increment in scale of pay applicable to him on the 1st day of November, 1993, the Dearness Allowance thereon as on 1st November, 1993 and the amount of House Rent Allowance, thereon, if any.

(2) An employee who is in receipt of an increment on account of computerisation and who has reached the maximum of the scale of pay applicable to him shall be paid the fixed personal allowance referred to in sub-paragraph (1) above on the expiry of a period of one year of reaching the maximum of the scale of pay.

(3) Fixed Personal Allowance, to the extent it does not exceed the amount of the last increment drawn by an employee in the scale of pay that he was receiving on the first day of November, 1993, shall count for the purposes of provident fund, gratuity and for the purpose of pension payable under the General Insurance (Employee's) Pension Scheme, 1995.

XI. CONVEYANCE ALLOWANCE :

With effect from the 1st day of August, 1994 or date of appointment, whichever is later, every confirmed full-time employee shall be paid Conveyance Allowance at the rate of Rs. 100/- (Rupees one hundred) per month.

[F. No. 2(4) /Ins. III/96]
C. S. RAO, Jt. Secy. (Insurance).

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has accorded approval to revise from different dates and with retrospective effect certain scales of pay and conditions of service in respect of the employees of the General Insurance Corporation of India and Subsidiary Companies. The General Insurance (Rationalisation and Revision of pay Scales and Other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974 is amended accordingly.

2. It is certified that no employee of the General Insurance Corporation of India or its Subsidiary Companies is likely to be affected adversely by the notification being given retrospective effect.

NOTE :—The Principal Scheme was published vide Notification No. S.O. 326(E) dated 27-5-1974.

Subsequently amended by Notification No. S. O. 472(E) dated 5th September, 1975, 5415 dated 22nd December, 1975, 390(E) dated 1st June, 1976, 4466 dated 11th November, 1976, 2443 dated 30th July, 1977, 1046 dated 29th March, 1978, 1049 dated 29th March, 1978, 1410 dated 26th April, 1978, 3429 dated 16th November, 1978, 314(E) dated 12th May, 1980, 827(E) dated 30th September, 1980, 729(E) dated 21st

September, 1984, 769(E) dated 15th October, 1985, 884(E) dated 9th December, 1985, 729(E) dated 3rd October, 1986, 441(E) dated 27th April, 1987, 1038(E) dated 7th December, 1987, 780(E) dated 22nd August, 1988, 783(E) dated 22nd August, 1988, 1460(E) dated 9th December, 1988, 180(E) dated 10th March, 1989, 356(E) dated 12th May, 1989, 405(E) dated 24th May, 1990, 542(E) dated 6th July, 1990, 593(E) dated 27th July, 1990, 797(E) dated 25th November, 1991, 909(E) dated 23rd December, 1991 and 594(E) dated 30th June, 1995.

